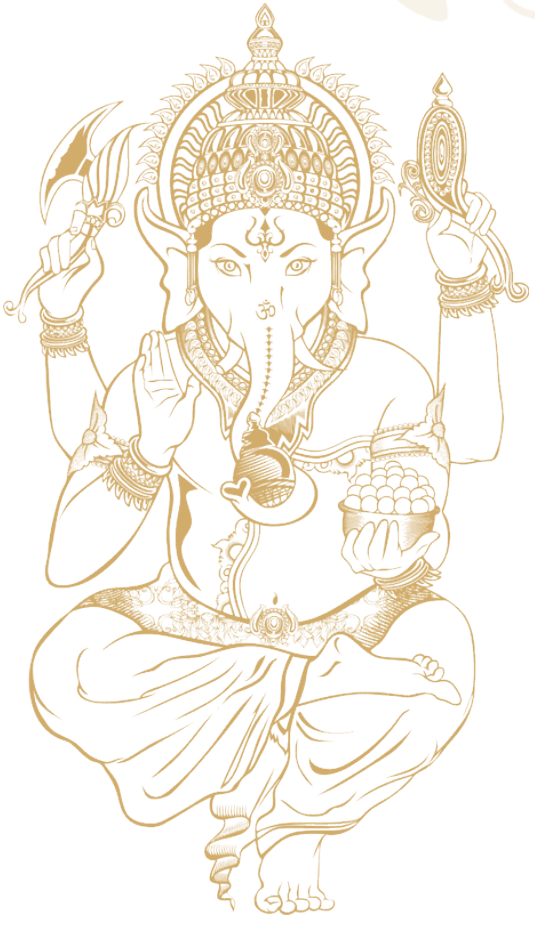

vivekanand gupta

27 Aug 1983

03:01 AM

Duhawi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121425702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/08/1983**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:01:00 घंटे**
इष्ट	54:18:36 घटी
स्थान	**Duhawi**
देश	Nepal

अक्षांश	26:38:00 उत्तर
रेखांश	87:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:19:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:20:04 घंटे
वेलान्तर	-00:02:00 घंटे
साम्पातिक काल	01:38:20 घंटे
सूर्योदय	05:17:33 घंटे
सूर्यास्त	18:07:48 घंटे
दिनमान	12:50:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:26:40 सिंह
लग्न के अंश	08:57:16 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शूल
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:57:16	310:04:45	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	09:26:40	00:57:53	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			मीन	15:42:17	12:13:51	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल			कर्क	14:51:37	00:38:23	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध			कन्या	05:18:48	00:32:13	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु			वृश्चि	08:39:52	00:05:00	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	सिंह	06:44:24	00:37:03	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि			तुला	06:34:14	00:04:57	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
राहु	व		वृष	28:29:34	00:10:00	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	28:29:34	00:10:00	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	11:30:51	00:00:39	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
नेप	व		धनु	02:52:51	00:00:24	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	03:47:12	00:01:36	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	02:52:21	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:27

लग्न-चलित

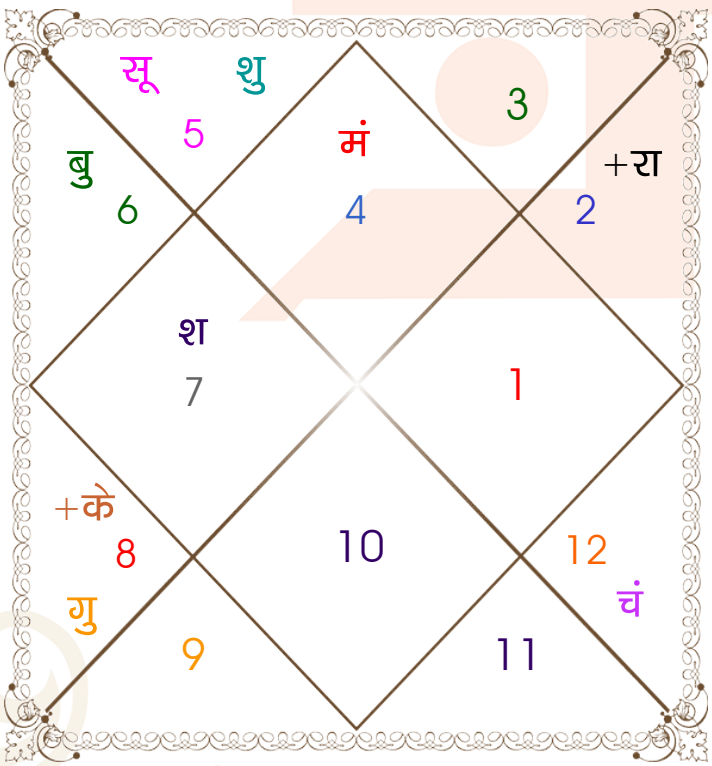

चन्द्र कुंडली

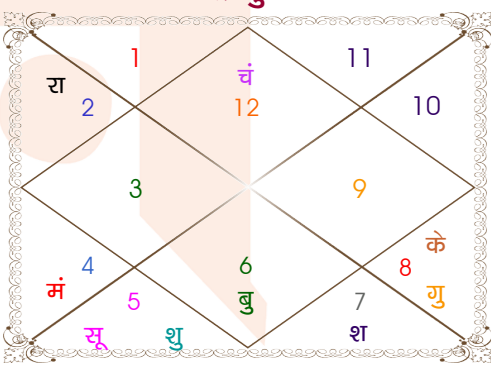

नवमांश कुंडली

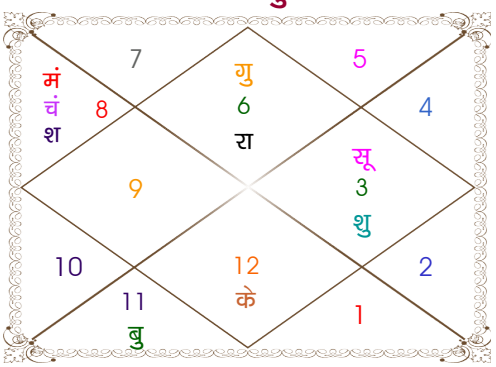

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 1 वर्ष 4 मास 13 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
27/08/1983		08/01/1985		09/01/2002		08/01/2009		08/01/2029	
08/01/1985		09/01/2002		08/01/2009		08/01/2029		09/01/2035	
00/00/0000	बुध	07/06/1987	केतु	07/06/2002	शुक्र	10/05/2012	सूर्य	28/04/2029	
00/00/0000	केतु	03/06/1988	शुक्र	07/08/2003	सूर्य	10/05/2013	चंद्र	27/10/2029	
00/00/0000	शुक्र	04/04/1991	सूर्य	13/12/2003	चंद्र	09/01/2015	मंगल	04/03/2030	
00/00/0000	सूर्य	08/02/1992	चंद्र	13/07/2004	मंगल	10/03/2016	राहु	27/01/2031	
00/00/0000	चंद्र	10/07/1993	मंगल	09/12/2004	राहु	11/03/2019	गुरु	15/11/2031	
00/00/0000	मंगल	07/07/1994	राहु	27/12/2005	गुरु	09/11/2021	शनि	27/10/2032	
00/00/0000	राहु	23/01/1997	गुरु	03/12/2006	शनि	08/01/2025	बुध	03/09/2033	
27/08/1983	गुरु	01/05/1999	शनि	12/01/2008	बुध	09/11/2027	केतु	09/01/2034	
गुरु 08/01/1985	शनि	09/01/2002	बुध	08/01/2009	केतु	08/01/2029	शुक्र	09/01/2035	

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/01/2035		08/01/2045		09/01/2052		09/01/2070		09/01/2086	
08/01/2045		09/01/2052		09/01/2070		09/01/2086		28/08/2103	
चंद्र	09/11/2035	मंगल	06/06/2045	राहु	21/09/2054	गुरु	27/02/2072	शनि	11/01/2089
मंगल	09/06/2036	राहु	25/06/2046	गुरु	14/02/2057	शनि	09/09/2074	बुध	21/09/2091
राहु	09/12/2037	गुरु	01/06/2047	शनि	22/12/2059	बुध	15/12/2076	केतु	30/10/2092
गुरु	10/04/2039	शनि	10/07/2048	बुध	10/07/2062	केतु	21/11/2077	शुक्र	31/12/2095
शनि	08/11/2040	बुध	07/07/2049	केतु	29/07/2063	शुक्र	22/07/2080	सूर्य	12/12/2096
बुध	10/04/2042	केतु	03/12/2049	शुक्र	28/07/2066	सूर्य	10/05/2081	चंद्र	13/07/2098
केतु	09/11/2042	शुक्र	02/02/2051	सूर्य	22/06/2067	चंद्र	09/09/2082	मंगल	22/08/2099
शुक्र	10/07/2044	सूर्य	10/06/2051	चंद्र	21/12/2068	मंगल	16/08/2083	राहु	29/06/2102
सूर्य	08/01/2045	चंद्र	09/01/2052	मंगल	09/01/2070	राहु	09/01/2086	गुरु	28/08/2103

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 1 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।